

B.A. 3rd Semester (General) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : SEC-I

Time: 2 Hours

Full Marks: 40

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answer in their own words
as far as practicable.*

Answer the questions either from Group-A or Group-B

Group-A

विभाग: क

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः।

2×5=10

अधोलिखित प्रश्नसमूहের মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(a) आयुर्वेदशास्त्रस्य उत्सः कस्मिन् वेदे उपलभ्यते?

आयुर्वेदशास्त्रের উৎস কোন বেদে উপলব্ধ হয়?

(b) के तावत् रोगाणां चत्वारो भेदाः?

রোগের চারটি প্রকারভেদ কী কী?

(c) कानि दक्षभिषगादीनां लक्षणानि?

দক্ষ বৈদ্যের লক্ষণগুলি কী কী?

(d) 'चिकित्सासारसंग्रह'— इति ग्रन्थस्य रचयिता कः?

'চিকিৎসা সারসংগ্রহ'— গ্রন্থের রচয়িতা কে?

(e) चिकित्सायाः चत्वारः पादाः के सन्ति?

চিকিৎসার চারটি পাদ কী কী?

(f) वार्जाकरणमित्यनेन किं बोध्यते?

'বর্জীকরণ' বলতে কী বোঝায়?

(g) को नाम वृक्षायुर्वेदः?

বৃক্ষায়ুর্বেদ কী?

(h) जीवकविरचितः आयुर्वेदग्रन्थः कः?

জীবকবিরচিত আয়ুর্বেদগ্রন্থ কোনটি?

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम्।
अधोनिर्दिष्ट प्रश्नसमूहের মধ্যে যে কোনো দুইটির উত্তর দাও :

5×2=10

- (a) सुश्रुतसंहिता-बिषये संक्षिप्ता टीका विरचनीया।
সুশ্রুতসংহিতা সম্বন্ধে সংক্ষিপ্ত টীকা রচনা করো।
- (b) वाग्भट्ट विरचितानाम् आयुर्वेद ग्रन्थानां परिचयो देयः।
বাগ্ভট্ট বিরচিত আয়ুর্বেদ গ্রন্থসমূহের পরিচয় দাও।
- (c) द्रव्यगुणविषये आयुर्वेदशास्त्रे यदुच्यते तद् विशदीक्रियताम्।
দ্রব্যগুণবিষয়ে আয়ুর্বেদশাস্ত্রে যা বলা হয়েছে তা বিস্তৃতভাবে আলোচনা করো।
- (d) नागार्जुनः कः आसीत्? आयुर्वेदशास्त्रे तस्य अवदानं किमस्ति?
নাগার্জুন কে ছিলেন? আয়ুর্বেদশাস্ত্রে তাঁর অবদান কী?

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम्।
অধোলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোনো দুইটির উত্তর দাও :

10×2=20

- (a) आयुर्वेदशास्त्रस्य इतिवृत्तं यथामति आलोच्यताम्।
আয়ুর্বেদশাস্ত্রের ইতিহাস সম্বন্ধে যা জান লেখো।
- (b) कानि तावद् आयुर्वेदस्य अष्टाङ्गानि? चिकित्साशास्त्रे तेषामुपयोगो विचार्यताम्।
আয়ুর্বেদের আটটি অঙ্গ কী কী? চিকিৎসাশাস্ত্রে তাদের উপযোগিতা কী তা বিচার করো।
- (c) आयुर्वेदशास्त्रे ऋतुचर्याविषये यदुच्यते तद्विशदीक्रियताम्।
আয়ুর্বেদশাস্ত্রে ঋতুচর্যাবিষয়ে যা বলা হয়েছে তা বিস্তৃত আকারে আলোচনা করো।
- (d) चरकसंहितामाप्रित्य नातिदीर्घः प्रबन्धो विरचनीयः।
চরকসংহিতা অবলম্বনে সংক্ষিপ্ত প্রবন্ধ রচনা করো।

अथवा,

अथवा,

Group-B**বিভাগ: খ**

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः।

অধোলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

2×5=10

- (a) को नाम योगः?
যোগ বলতে কী বোঝায়?
- (b) कति योगाङ्गानि सन्ति? तेषां नामानि लिख्यन्ताम्।
যোগের অঙ্গ কতগুলি? তাদের নাম লেখো।

- (c) योगसूत्रस्य प्रख्यातः टीकाकारः कः? का तस्य टीका?
योगसूत्रेण प्रख्यात टीकाकार के? तार टीकार नाम की?
- (d) स्तम्भवृत्ति इत्युक्ते किं बोध्यते?
'स्तम्भवृत्ति' बलते की बोवाय?
- (e) के तावत् योगसूत्रस्य चत्वारःपादाः?
योगसूत्रेण चारटि पाद की की?
- (f) 'अथ योगानुशासनम्'— अत्र अथ-शब्दस्य कोऽर्थः?
'अथ योगानुशासनम्'— एखाने 'अथ' शब्देण अर्थ की?
- (g) किं नाम ईश्वरप्रणिधानम्?
'ईश्वरप्रणिधानम्' बलते की बोवाय?
- (h) को नाम अपरिग्रहः?
'अपरिग्रह' बलते की बोवाय?

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम्।

5×2=10

अधोलिखित प्रश्नगुणिलि मध्ये ये कोनो दुईटिउ उतर दाओ :

- (a) चित्तवृत्तिनिरोधः कथं सम्भवति?
चित्तवृत्तिनिरोध कीभावे संभव— आलोचना करो।
- (b) "तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोगनिविच्छेदः प्राणायामः"— व्याख्यायताम्।
"तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोगनिविच्छेदः प्राणायामः"— व्याख्या करो।
- (c) योगसूत्रमनुसृत्य यमाङ्गानां स्वरूपमालोच्यताम्।
योगसूत्र अनुसारे यमाङ्गसमूहेण स्वरूप आलोचना करो।
- (d) 'स्थिरसुखमासनम्'— व्याख्यायताम्।
'स्थिरसुखमासनम्'— व्याख्या करो।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम्।

10×2=20

अधोलिखित प्रश्नसमूहेण मध्ये ये कोनो दुईटिउ उतर दाओ :

- (a) चित्तवृत्तेः स्वरूपं योगसूत्रानुसारतः विशदीक्रियताम्।
चित्तवृत्तेण स्वरूप योगसूत्रानुसारे विस्तृतभावे आलोचना करो।
- (b) योगसूत्रमनुसृत्य वैराग्यस्य स्वरूपम् आलोच्यताम्। किं नाम परवैराग्यम्?
योगसूत्र अनुसारेण वैराग्येण स्वरूप आलोचना करो। परवैराग्य बलते की बोवाय?
- (c) नियमाङ्गानां विषये पातञ्जलयोगसूत्रे यदुच्यते तद्विशदीक्रियताम्।
नियम नामक योगाङ्ग संज्ञके पातञ्जलयोगसूत्रे या बला ह्येच्छे ता विस्तृत आकारे आलोचना करो।
- (d) अभ्यासस्वरूपम् आलोच्यताम्। स कथं दृढभूमिः भवति इति योगसूत्रानुसारतः आलोच्यताम्।
अभ्यासेण स्वरूप आलोचना करो। अभ्यास कीभावे 'दृढभूमि' ह्य ता योगसूत्र अबलमने आलोचना करो।